RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 मुंबई : बुधवार 25 अक्टूबर 2023 वर्ष 05 अंक 183 संपादक : फैसल शेख पृष्ठ : 4 कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

सीएम शिंदे का उद्धव-कांग्रेस पर निशाना, कहा- '2014 और 2019 में मोदी थे और 2024 में भी मोदी ही आएंगे'

मुंबई : सीएम एकनाथ शिंदे ने मंगलवार (24 अक्टूबर) को मुंबई के आजाद पार्क में दशहरा रैली को संबोधित किया. इस दौरान उन्होंने शिवसेना-यूबीटी चीफ उद्धव ठाकरे पर निशाना साधते हुए कहा कि बालासाहेब ठाकरे ने दशहरा मैदान से 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' का नारा दिया था.

बालासाहेब ठाकरे ने कांग्रेस को कभी अपने पास नहीं खड़ा किया. आज ऐसा लग रहा है कि अपनी पार्टी कब कांग्रेस में विलीन कर लेंगे यह पता नहीं. आगे सीएम शिंदे ने दावा किया, ''मैंने आज रावण का दहन किया है. 2024 में देश की जनता इंडिया अलायन्स नाम के रावण का दहन करेगी. 2014 में भी मोदी थे, 2019 में भी मोदी थे, 2024 में भी मोदी ही आएंगे. हम महाराष्ट्र में 48 में से 45 लोकसभा सीटों पर जीतेंगे.''

उद्धव ठाकरे पर हमला जारी रखते हुए सीएम ने कहा, ''बालासाहेब ने जिंदगी भर जिसे कभी अपने पास नहीं बुलाया आज ये लोग उन्हीं के तलवे चाट रहे हैं. ये जनता सब जानती है. असली गद्दार कौन है. हिंदुत्व की विचारधारा और बालासाहेब के विचारों को लेकर हम काम कर रहे हैं. चुनाव आयोग ने नाम और चुनाव चिह्न हमे देने का बाद, शिवसेना के बैंक खाते में 50 करोड़ रुपए जमा है वो बैंक से मांगे थे. लेकिन बैंक ने पैसे देने इनकार कर दिया और कहा कि एउ ने शिवसेना एकनाथ शिंदे को दिया है तो इसलिए पैसे नहीं दे सकते हैं. बाद में पैसे के लिए हमें पत्र लिखा गया. मैने तुरंत पैसे देने के लिए कह दिया है. क्योंकि इनका प्रेम पैसे से है, बालासाहेब ठाकरे के विचारों से नहीं है.''

सीएम शिंदे ने कहा, ''मैं मराठा समाज के लोगों को ये विश्वास दिलाता हूं कि मेरे शरीर में जब तक खून का आखिरी कतरा रहेगा. तब तक मैं मराठा आरक्षण के लिए लड़ूंगा. मराठा समाज के लोगों को मराठा आरक्षण दिलवाकर रहूंगा,। ये बात में छत्रपति शिवाजी महाराज की सौगंध खाकर कहता हूं. लोगो से यही कहूंगा कि कोई गलत कदम ना उठाएं, संयम बनाकर रखें.'' सीएम शिंदे ने आगे विपक्ष पर हमला करते हुए कहा, ''एकनाथ शिंदे कभी पीछे नहीं हटेगा. कोविड के समय आप घर में बैठे थे. मैंअपने जीवन को दाव पर लगाकर PPE किट पहनकर मरीजो से मिलने गया. पुलिस को प्रोत्साहित करने का काम किया. आप घर में बैठकर पैसे गिनने का काम कर रहे हैं. खिचड़ी घोटाला किया, कोविड बॉडी बैग के नाम पर घोटाला किया. ये सभी पाप कहां धोएंगे.''

सीएम शिंदे ने कहा, ''यह मुझसे अच्छा और कौन जान सकता है. एक चेहरे पर लोग कई चेहरे लगा लेते हैं लोग आप चेहरे पर मत जाइए. सीता हरण के लिए रावण ने साधु का रूप धारण किया था.

महाराष्ट्र के भिवंडी में कफ सिरप की 4 हजार बोतलें जब्त, एक व्यक्ति गिरफ्तार

ठाणे : महाराष्ट्र में ठाणे जिले के भिवंडी शहर की एक इमारत से अपराध शाखा ने विभिन्न ब्रांड के कफ सिरप की चार हजार बोतलें जब्त कीं और एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। जब्त कफ सिरप की कीमत 5.70 लाख रुपये से अधिक है। एक अधिकारी ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए अधिकारियों ने 21 अक्टूबर को गौरीपाड़ा इलाके में एक इमारत पर छापेमारी की और सीढ़ी के नीचे एक कमरे से कफ सिरप का अवैध भंडार जब्त कर लिया। विज्ञप्ति के मुताबिक, जब्त कफ सिरप बेचने के मकसद से जमा किए गए थे और यह अपराध औषधि एवं प्रसाधन सामग्री अधिनियम की श्रेणी में आता है। इसमें कहा गया है कि मामले में आगे की जांच जारी है।

महाराष्ट्र: BJP नेता नीलेश राणे ने राजनीति से संन्यास लेने का किया ऐलान

मुंबई : केंद्रीय मंत्री नारायण राणे के बेटे नीलेश राणे ने ऐलान किया है कि वो सक्रिय राजनीति से दूर हो रहे हैं और उन्होंने कहा कि उनका राजनीति में मन नहीं लग रहा है। 42 वर्षीय नीलेश राणे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर इसकी जानकारी दी। नीलेश राणे ने बताया कि राजनीति छोड़ने का कोई और कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूं जो मुझे बीजेपी से इनता प्यार मिला और बीजेपी जैसे संगठन में काम करने का मौका मिला।

''राजनीति में कोई रुचि नहीं रह गई''

नीलेश राणे ने 'एक्स' पर लिखा, ''नमस्कार, मैं सक्रिय राजनीति से स्थायी रूप से अलग हो रहा हूं। अब राजनीति में कोई रुचि नहीं रह गई है, बाकी कोई और कारण नहीं है। मैं आप सभी का बहुत आभारी हूं जिन्होंने पिछले 19-20 वर्षों में मुझे इतना प्यार दिया और मेरे साथ बने रहें। मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मुझे बीजेपी में इतना प्यार मिला और मुझे बीजेपी जैसे महान संगठन में काम करने का अवसर मिला।''

उन्होंने आगे लिखा, ''मैं छोटा आदमी हूं, लेकिन मैंने राजनीति में बहुत कुछ सीखा। कुछ साथी हमेशा के लिए एक परिवार बन गए, मैं जीवन में हमेशा उनका ऋणी रहूंगा। मुझे अब चुनाव लड़ने आदि में कोई दिलचस्पी नहीं है। आलोचक आलोचना करेंगे, लेकिन जहां दिल ना लगे वहां मुझे अपना और दूसरों का समय बर्बाद करना पसंद नहीं है। अनजाने में अगर कुछ लोगों को ठेस पहुंचाने के लिए मैं क्षमा चाहता हूं। आप सभी को मेरी शुभकामनाएं।''

नीलेश राणे का सियासी सफर

बता दें कि नीलेश राणे जब कांग्रेस पार्टी में थे, तब वो साल 2009 में 15वीं लोकसभा चुनाव में रत्नागिरी सिंधुदुर्ग लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़े और जीते। नीलेश राणे 2014 में भी उसी लोकसभा सीट से चुनाव में खड़े हुए, लेकिन उस समय वो शिवसेना नेता विनायक राउत से हार गए थे। राणे साल 2009 से 2017 तक कांग्रेस पार्टी में थे। इसके बाद साल 2019 में बीजेपी में शामिल हुए थे।

'मैं दूसरों को हराने के लिए राजनीति के मैदान में उतरूंगी' बीजेपी नेता पंकजा मुंडे का एलान

मुंबई : बीजेपी नेता पंकजा मुंडे ने मंगलवार को कहा कि महाराष्ट्र के लोग अब निराशा का सामना करने की क्षमता खो चुके हैं. पंकजा ने साथ ही जोर देकर कहा कि वह अब घर पर नहीं बैठेंगी बल्कि जल्द ही राजनीति के युद्ध के मैदान (चुनाव) में उतरेंगी. पंकजा ने बीड जिले के सावरगांव में दशहरा रैली मराठा आरक्षण समेत कई मौजूदा मुद्दों पर अपनी प्रतिक्रिया दी. बता दें कि पंकजा 2019 में विधानसभा चुनाव हार गईं थीं जिसके बाद उन्हें सरकार में भी जगह नहीं मिल पाई.

पूर्व केंद्रीय मंत्री गोपीनाथ मुंडे की बेटी पंकजा मुंडे ने कहा कि जब राज्य में शिव शक्ति यात्रा चल रही थी तो उन्हें लोगों से जबरदस्त समर्थन मिला. जब उनकी चीनी मिल पर छापा पड़ा तो समर्थकों ने दो दिनों के भीतर ही 11 करोड़ रुपये उनके लिए इकट्ठे

कर लिए थे. पंकजा ने कहा, ''मैं पैसे नहीं लूंगी लेकिन मैं योगदान देने वाले लोगों का आशीर्वाद लूंगी.'' बता दें कि पंकजा के चीनी मिल पर जीएसटी का छापा पड़ा था. उधर, रैली में पंकजा ने कहा, '' क्या आज किसान खुश हैं ? क्या उन्हें फसल बीमा और सरकारी सहायता मिल रही है?'' पंकजा ने बीड के गन्ना काटने वालों का मुद्दा उठाया और कहा कि अगर उन्हें मजदूरी ठीक से नहीं मिली तो वे काम नहीं करेंगे. पंकजा ने आगे कहा, ''अगर मैं उन्हें न्याय नहीं दिला पाई तो अगली दशहरा रैली में अपना चेहरा नहीं दिखाऊंगी.''

इन लोगों को हराना चाहती हैं पंकजा

पंकजा ने दावा करते हुए कहा, '' ग्रामीण विकास मंत्री के रूप में मैंने ग्राम पंचायतों के लिए अच्छी सड़कों और कार्यालयों का निर्माण सुनिश्चित किया था और यह नहीं सोचा कि गांव में कौन सा समुदाय प्रभावशाली है. अब मैं दूसरों को हराने के लिए चुनावी मैदान में उतरूंगी. मैं उन लोगों को हराने के लिए काम करूंगी जिनमें राज्य को आगे ले जाने की क्षमता नहीं है.''

संपादकीय / लेख

संसद में सवाल बिका हुआ

जब सोमनाथ चटर्जी लोकसभा अध्यक्ष थे, तब 11 सांसद आरोपित हुए थे कि वे नकद कबूल कर संसद में सवाल पूछते थे। प्रथमद्रष्ट्या सांसद भ्रष्टाचार में संलिप्त पाए गए, नतीजतन स्पीकर ने उनकी सांसदी खारिज कर दी थी। उनमें भाजपा के सांसद भी थे। केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी और डॉ. मनमोहन सिंह देश के प्रधानमंत्री थे। इस मामले पर संसद के भीतर और बाहर खूब हंगामा मचा था। दरअसल वह एक मीडिया ऑपरेशन था, जिसमें छिपे कैमरे से वह भ्रष्टाचार रिकॉर्ड किया गया था। मामला सर्वोच्च अदालत तक पहुंचा, लेकिन उसने स्पीकर के संवैधानिक अधिकार और निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाएं स्वीकार नहीं कीं और सांसदी बहाल नहीं हो सकी। उन सांसदों में से शायद ही कोई सांसद नया चुनाव जीत कर लोकसभा में वापसी कर पाया था! स्पीकर का वह निर्णय एक उदाहरण बन गया। ऐसा ही मामला एक बार फिर स्पीकर ओम बिरला तक पहुंचा है। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे के गंभीर आरोप हैं कि तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा सदन में अडाणी समूह पर प्रायोजित सवाल पूछती रही हैं। राष्ट्रीय सुरक्षा और संसद की संवेदनशीलता को दांव पर रखने वाला तथ्य यह है कि सांसद के तौर पर महुआ की ई-मेल आईडी और पासवर्ड का इस्तेमाल दुबई में बैठे उद्योगपति दर्शन हीरानंदानी करते रहे हैं। वह ही अडाणी समूह पर सवाल बनाते रहे हैं और लोकसभा को महुआ के नाम से भेजते रहे हैं।

यह गोपनीयता और संसदीय सुरक्षा का घोर उल्लंघन है, लिहाजा अपराध भी है। अब लोकसभा की आचरण समिति इन आरोपों की जांच कर रही है। सांसद निशिकांत दुबे और महुआ दोनों से ही सवाल-जवाब किए जाएंगे। इस सांठगांठ का महत्त्वपूर्ण आयाम यह है कि उद्योगपति हीरानंदानी ने सांसद महुआ को 2 करोड़ रुपए नकद भी दिए। उनकी घरेलू और विदेश यात्राओं के खर्च उठाए। सांसद के नई दिल्ली स्थित सरकारी आवास की मरम्मत और उसका नवीकरण भी कराया। सरकारी आवासों में ऐसा काम सरकारी एजेंसियां ही करती रही हैं। फिर सांसद ने उद्योगपति से पैसा क्यों लगवाया? हीरानंदानी ने महुआ को बेशकीमती तोहफे भी दिए। संभव है कि दोनों औद्योगिक घरानों में व्यापार की प्रतिद्वंद्विता हो, लिहाजा सांसद के जरिए अडाणी समूह को बेनकाब किया जा रहा हो! उद्योगपति ने यह भी खुलासा किया है कि सांसद महुआ बेहद महत्त्वाकांक्षी हैं। उन्होंने अडाणी समूह को निशाना बनाया, लेकिन वह प्रधानमंत्री मोदी की छवि दागदार करना चाहती थीं। अडाणी से जुड़े कई महत्त्वपूर्ण दस्तावेज सांसद ने विपक्ष के अन्य नेताओं से भी साझा किए थे, ताकि प्रधानमंत्री के खिलाफ एक संगठित अभियान चलाया जा सके। हालांकि पार्टी प्रमुख एवं बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी इतना 'अडाणी-विरोध'के पक्ष में नहीं रही हैं, लिहाजा कई बार सांसद को डांट भी चुकी हैं। अब भी इस रहस्योद्घाटन पर ममता बनर्जी बिल्कुल खामोश हैं और विपक्ष का भी कोई महत्त्वपूर्ण बयान सामने नहीं आया है। तेज-तर्रार भाजपा सांसद ने यह शिकायत लोकपाल में भी दर्ज करा दी है।

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

+91 99877 75650
editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को वकील ने भेज। कानूनी नोटिस...

मुंबई : मुंबई के बढ़ते दमघोंटु प्रदूषण से परेशान मुंबई के एक वकील ने बृहन्मुंबई महानगर पालिका और (एमपीसीबी) महाराष्ट्र प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को कानूनी नोटिस जारी कर मनपा को शहरभर में एयर प्यूरिफायर लगाने के अपने वादे को पूरा करने की याद दिलाई है। वकील सैफ आलम ने इस बात पर जोर दिया कि कानूनी नोटिस नागरिक निकाय को कार्रवाई के लिए प्रेरित करने के लिए एक अनिवार्य याचिका के रूप में कार्य करता है, क्योंकि शहर भर में हवा की गुणवत्ता गिर रही है।

एडवोकेट आलम ने कहा, 'यह सिर्फ अक्टूबर है। जैसे-जैसे सर्दी बढ़ेगी, हवा की गुणवत्ता और भी खराब होने लगेगी। चिंता की बात यह है कि पिछले कुछ दिनों में हमने दिल्ली के एक्यूआई को भी पीछे छोड़ दिया है। अब इससे पहले कि हालात और भी बदतर हो जाए, तो वक्त आ गया है कि मनपा एक्शन ले।' वह कहते हैं कि यदि एयर प्यूरिफायर नहीं, तो बीएमसी और एमपीसीबी को प्राथमिकता के आधार पर एक विशेषज्ञ समिति बनानी चाहिए और वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए व्यावहारिक समाधान पेश करना चाहिए।

रिपोर्ट के अनुसार, माह की शुरूआत से ही हवा की गुणवत्ता खतरनाक रही है। मुंबई में फिलहाल, हवा में सांद्रता पीएम २.५ है, जो डब्ल्यूएचओ द्वारा निर्धारित सीमा से ५.२ गुना अधिक है। मुंबई में वायु प्रदूषण की वजह से १ जनवरी २०२१ से अब तक लगभग १४,००० लोगों की मौत हुई है, जिसके चलते शहर की अर्थव्यवस्था को लगभग साढ़े सत्रह करोड़ का नुकसान हुआ है। पिछले एक हफ्ते से मुंबई के कई हिस्सों में एक्यूआई २०० से अधिक है।

मनपा ने बजट के दौरान शहर में एयर प्यूरिफायर लगाने का वादा किया था, लेकिन सिर्फ साउथ मुंबई में कुछ इंस्टॉल किए गए हैं। मुंबई का मतलब सिर्फ, साउथ मुंबई है? उपनगर भी हैं न, मैं ट्रॉम्बे में रहता हूं। वहां के हालात बहुत बुरे हैं। मैं पर्टुसिस (काली खांसी) का मरीज हूं और उनकी स्थिति को भी समझता हूं, जो सांस की बीमारियों से पीड़ित हैं, यह बच्चों के लिए भी बहुत खतरनाक है। आलम कहते हैं कि महानगर में अंधाधुंध निर्माण कार्य चाहे वह बिल्डिंग कंस्ट्रक्शन हो या फिर बड़ी-बड़ी सरकारी परियोजनाएं, जैसे कि कोस्टल प्रोजेक्ट, मेट्रो प्रोजेक्ट्स आदि का डस्ट पार्टिकल वातावरण को प्रदूषित कर रहे हैं, जो बहुत ही खतरनाक है। मनपा आयुक्त इकबाल सिंह चहल ने इस साल फरवरी में अपने बजट भाषण के दौरान शहर में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक विस्तृत योजना की घोषणा की थी। वायु गुणवत्ता में सुधार के लिए २५ करोड़ रुपए भी आवंटित किए थे। तत्काल उपाय के रूप में, बीएमसी ने धूल को कम करने के लिए फुटपाथों और सड़कों पर पानी छिड़कने का निर्णय लिया था। धूल की सफाई के लिए ई-पावर स्वीपर, सड़कों और फुटपाथों पर धूल पैष्ठलने से रोकने के लिए स्प्रिंकलर जैसे कई उपकरणों का जिक्र किया गया था। मनपा ने शहर के पांच भीड़भाड़ वाले स्थानों पर एयर प्यूरीफायर लगाने का भी पैष्ठसला किया था। इनमें से कोई भी उपाय शहर में पूरी तरह से लागू नहीं किया गया है, जिसका असर मुंबई के निर्दोष लोगों पर हो रहा है।

पर्यावरणविद और विशेषज्ञों का मानना है कि एयर प्यूरिफायर स्थापित करना कोई स्थाई समाधान नहीं है और यह एक तरह से सार्वजनिक धन की बबार्दी ही होगी। वायु प्रदूषण मसले पर काम कर रहे प्रोफेसर रानाडे का मानना है कि महानगरपालिकाओं को स्मॉग टॉवरों और एयर प्यूरिफायर जैसे उपकरणों पर जनता का पैसा बर्बाद नहीं करना चाहिए, क्योंकि यह कोई स्थाई उपाय नहीं है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अधिकारियों का भी मानना कहा है कि स्मॉग टॉवर और एयर प्यूरिफायर जैसे तकनीक को वायु प्रदूषण के मुद्दे का स्थायी समाधान नहीं माना जा सकता है। प्रदूषण का अंतिम समाधान उसके स्रोत और उस पर नियंत्रण में है।

फ्लाईओवर एलिवेटेड मार्ग के निर्माण में बाधा, मुख्य सड़क भी होगी संकरी

ठाणे : शहर को ट्रैफिक जाम की समस्या से मुक्त कराने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण ने लगभग १,६०० करोड़ की लागत से आनंद नगर से साकेत तक एक एलिवेटेड रोड बनाने की योजना बनाई है। इस मार्ग को शहर से गुजरने वाले मुंबई-नासिक राजमार्ग से जोड़कर बनाने की योजना है। लेकिन इस मार्ग पर बने फ्लाईओवर एलिवेटेड मार्ग के निर्माण में एक बड़ी बाधा बन रहे हैं। वहीं इस मार्ग के निर्माण से मुख्य सड़क के संकरा होने की समस्या सामने आ रही है, जिसके कारण निर्माण में समस्या उत्पन्न हो रही है। इस वजह से एमएमआरडीए पसोपेश में है कि वह अब क्या करे?

बता दें कि मुंबई-नासिक राजमार्ग ठाणे शहर से होकर गुजरता है, मुंबई-अहमदाबाद राजमार्ग घोड़बंदर क्षेत्र से गुजरता है। इन दोनों राजमार्गों पर रात और सुबह के समय भारी यातायात होता है। यह यातायात मुंबई, नासिक, भिवंडी, गुजरात और जेएनपीटी की ओर जारी है। इन सड़कों पर वाहनों की संख्या बहुत ज्यादा है। लगातार ट्रैफिक के कारण इन मार्गों पर जाम एक समस्या बनती जा रही है। इन मार्गों पर मेट्रो परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है और सड़कें संकरी होने के कारण दुविधा बढ़ रही है। इस समस्या को हल करने के लिए मुंबई महानगर क्षेत्र विकास प्राधिकरण के माध्यम से एक नई सड़क निर्माण की योजना बनाई गई है और आनंद नगर से साकेत तक एक एलिवेटेड रोड बनाने का प्रस्ताव है। इस मार्ग के निर्माण पर करीब १,६०० करोड़ रुपए का खर्च होने का अनुमान है। इस मार्ग के निर्माण की योजना मुंबई-नासिक राजमार्ग के साथ बनाई गई है।

मुंबई-नासिक राजमार्ग पर तीन हाथ नाका, नितिन कंपनी से कैडबरी और माजीवाड़ा क्षेत्रों में फ्लाईओवर हैं। आनंद नगर से साकेत एलिवेटेड रोड के निर्माण में तीन हाथ नाका, नितिन कंपनी का कैडबरी पुल ज्यादा बाधा नहीं बनेंगा।

शराब के शौकीनों को बड़ा झटका, एक नवंबर से शराब पर 10 फीसदी वैट

मुंबई : शराब के शौकीनों को बड़ा झटका दिया है। राज्य सरकार ने वैट में पांच फीसदी की बढ़ोतरी करने की घोषणा की है। इससे अब आठ दिनों के बाद यानी एक नवंबर से शराब पर १० फीसदी वैट लगेगा। वहीं सरकार के इस पैष्ठसले से प्रदेश में शराब महंगी हो जाएगी। दूसरी ओर सबसे दिलचस्प बात यह है कि यह बदलाव केवल क्लबों, लाउंज और बार में शराब पीनेवालों पर ही लागू होगा। इस पैष्ठसले का असर अन्य शराब विक्रेताओं पर नहीं पड़ेगा। हालांकि, इसका सीधे असर शराब बिक्री विभाग पर जरूर पड़ेगा। जानकारी के मुताबिक, घाती सरकार के इस पैष्ठसले का असर शराब बेचनेवाली कंपनियों के शेयरों पर देखने को मिलेगा, जो कम समय के लिए होगा। राज्य सरकार ने राजस्व बढ़ाने के लिए यह पैष्ठसला लिया है। इसका असर सोमवार को शेयर बाजार पर देखने को मिला। इसीलिए निवेशकों का सारा ध्यान बाजार में शराब से जुड़ी कंपनियों के शेयरों पर रहा। सूत्रों के मुताबिक, शराब पर वैट बढ़ने से कुछ हद तक उपभोक्ताओं के साथ ही अप्रत्यक्ष रूप से राज्य में कानून-व्यवस्था पर असर पड़ सकता है। जानकारी के मुताबिक, वैट में बढ़ोतरी को लेकर होटल व्यवसायियों का हवाला देते हुए कहा गया है कि सरकार की तरफ से हाल ही में लाइसेंस शुल्क में बढ़ोतरी से ग्राहकों के लिए शराब की कीमत पहले ही बढ़ गई है। यह बढ़ोतरी सिर्फ उनके खर्चों में इजाफा करने वाली है। होटल एंड रेस्टोरेंट ऑफ वेस्टर्न इंडिया ने इस बढ़ोतरी को आश्चर्यजनक बताया। उनका कहना है कि सालाना उत्पाद शुल्क में वृद्धि की बैकग्राउंड में इसका मतलब होगा कि रेस्टोरेंट, लाउंज और बार में कीमतें बढ़ जाएंगी।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 25 अक्टूबर 2023

उत्तर प्रदेश में एक ऐसी जगह है जहां रावण का पुतला दहन नहीं पूजा की जाती है

उत्तर प्रदेश : देशभर में आज विजयदशमी का त्यौहार धूमधाम से मनाया जा रहा है. दशहरा का त्यौहार आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की दशमी तिथि को पड़ता है. इस दिन भगवान श्री राम ने रावण का वध किया था. उसी दिन से यह त्यौहार दशहरा यानी विजयदशमी के रूप में मनाया जाता है. विजयदशमी का यह त्यौहार बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतीक माना जाता है. इस दिन देशभर में जगह-जगह रावण दहन किया जाता है. लोग बुराई के अंत के रूप में रावण का पुतला जलाते हैं. लेकिन क्या आपको पता है कि उत्तर प्रदेश में एक ऐसी भी जगह है जहां रावण का पुतला दहन नहीं, बल्कि उसकी पूजा की जाती है. दरअसल, दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा के मिश्रा गांव में रावण का पुतला दहन नहीं किया जाता है. ग्रेटर नोएडा के बिसरख गांव में रावण का जन्म हुआ था. इसी गांव में रहने के दौरान रावण युवा अवस्था तक पहुंचे. गांव में मौजूद शिव मंदिर में अष्टमुखी शिवलिंग है. इसी शिवलिंग पर रावण और उनके पिता पूजा किया करते थे. बिसरख गांव में रावण दहन नहीं किया जाता. यहां मौजूद रावण के मंदिर मे विजयदशमी के दिन रावण की पूजा होती है. गांव के लोग खुद को रावण वंशज मानते हैं और एक बड़े पंडित की तरह उनकी पूजा करते हैं.

गांव में मौजूद रावण के मंदिर की दीवारों पर रावण के जन्म के बारे में और उनके पिता और दादा के बारे में तस्वीर बनाकर दर्शाया गया है. इन तस्वीरों में रावण के जन्म से लेकर राम से युद्ध करने जाने तक की तमाम आकृतियां हैं. मंदिर के पुजारी के मुताबिक इस गांव में रावण ने जन्म लिया यहां मौजूद गुफा से गाजियाबाद के दूधेश्वर नाथ मंदिर में पूजा के लिए जाया करते थे. मंदिर के अंदर मौजूद अष्टभुजा शिवलिंग, रावण की मूर्ति, दूधेश्वर नाथ मंदिर जाने वाली गुफा और मंदिर की दीवारों पर रावण से जुड़ी बनी कला आकृति बनी हुई हैं.

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने देशवासियों को दीं विजयदशमी की शुभकामनाएं

महाराष्ट्र : राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने मंगलवार को महाराष्ट्र के नागपुर में आयोजित दशहरा कार्यक्रम में हिस्सा लिया. इस दौरान उन्होंने देश के विकास से लेकर आने वाले लोकसभा चुनाव और मणिपुर हिंसा पर खुलकर बयान दिए. आरएसएस चीफ ने कहा कि , देश लगातार तरक्की के पथ पर आगे बढ़ रहा है. विकास की नई इबारत रची जा रही हैं, लेकिन भारत में कुछ लोग ऐसे भी हैं जो इस तरक्की और विकास से खुश नहीं हैं. कुछ लोगों के दस की तरक्की से तकलीफ होती है. उन्होंने कहा देश ने जी-20 जैसे बड़े इवेंट की अध्यक्षता कर पूरी दुनिया को भारत की ताकत से अवगत करा दिया है. दुनियाभर के नेताओं ने इस कार्यक्रम में गर्मजोशी के साथ हिस्सा लिया. हालांकि देश में ही कुछ लोग ऐसे हैं जो भारत के बढ़ते कदमों से खुश नजर नहीं आते.

मणिपुर हिंसा पर कही बड़ी बात

नागपुर में आयोजित विजयादशमी कार्यक्रम में मोगन भागवत ने मणिपुर हिंसा का भी जिक्र किया. उन्होंने एक दशक के ज्यादा समय से मणिपुर पूरी तरह से शांत था, लेकिन चुनाव नजदीक आते ही अचानक ऐसा क्या हो गया कि पूरा मणिपुर ही जलने लगा. क्या हिंसा करने वालें लोगों में सीमापार के आतिवादी भी शामिल हैं. दो समुदाय मैतयी और कुकी के बीच संघर्ष को सांप्रदायिक रूप दिया जा रहा है. यही नहीं बीते कई वर्षों से प्रदेश में सेवा कार्य में जुटे संघ जैसे संगठन को भी इसमें घसीटा जा रहा है. उन्होंने सवालिया लहजे में कहा, क्या इसमें किसा विदेशी सत्ता की रुचि तो नहीं? संघ प्रमुख ने कहा कि, हमें शांति की ओर बढ़ना होगा. मणिपुर में स्वयंसेवक काम कर रहे हैं और मैं उनके काम को सलाम करता हूं. प्रदेश में विश्वास जरूर टूट रहा है लेकिन हिम्मत अभी भी बाकी है, एक भार फिर संघर्ष के साथ सभी आगे बढ़ रहे हैं दोनों समुदाय शांति चाहते हैं.

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर क्या बोले भागवत

विजयदशमी उत्सव में अपने संबोधन के दौरान आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर भी बड़ी बात कही. उन्होंने कहा कि अगले वर्ष होने वाले लोकसभा चुनाव में किसी के उकसावे या बहकावे में ना आएं. हर तरह का अनुभव लें और उसके बाद ही जो बेस्ट हो उसे अपना मत दें. बता दें कि ये कार्यक्रम नागपुर के रेशिमबाग मैदान में आयोजित किया गया. इस दौरान मोहन भागवत ने एशियन्स गेम में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को बधाई दी और मेडल जीनते वालों की हौसला अफजाई भी की. उन्होंने देश के होनहारों ने एशियाई खेलों में पहली बार 100 से ज्यादा पद अपने नाम कर इतिहास रचा है. उन्होंने अयोध्या राम मंदिर को लेकर भी अपनी बात रखी. भागवत ने कहा कि, राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा अपने तय समय पर ही होगी. 22 नजवरी को मंदिर में व्यवस्था के साथ रामलाला की स्थापना की जाएगी.

नासिक जिला की गिरना नदी की तलहटी में मिला 50 किलो ड्रग...

मुंबई : नासिक जिला की गिरना नदी की तलहटी से मुंबई पुलिस की टीम ने 50 किलोग्राम एमडी ड्रग बरामद किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में बरामद ड्रग की कीमत 100 करोड़ आंकी गई है। नदी की तलहटी और नदी के किनारे बसे गांवों में मंगलवार सुबह मुंबई पुलिस का ड्रग सर्च ऑपरेशन जारी है। इस छापेमारी के संबंध में पुलिस की ओर से अभी तक अधिकृत जानकारी नहीं दी गई है। ड्रग तस्कर ललित पाटिल के ड्राइवर सचिन वाघ ने यह ड्रग गिरना नदी की तलहटी में फेंक दिया था। इसकी जानकारी मिलते ही मुंबई पुलिस की टीम ने सोमवार देर रात से ही गिरना नदी की तलहटी में ड्रग ढूंढ़ना शुरू किया था। मंगलवार तड़के पुलिस को नदी में करीब 15 फीट नीचे ड्रग से भरी दो गोनी मिली। दोनों गोनियों में भरे 50 किलोग्राम एमडी ड्रग पुलिस के हाथ लगे हैं। इसके बाद पुलिस टीम नासिक के ग्रामीण इलाकों में

खास कर गिरना नदी के तटीय इलाके के गांवों में सर्च ऑपरेशन कर रही है।

उल्लेखनीय है कि ड्रग तस्कर ललित पाटिल पुणे के ससून अस्पताल से 02अक्टूबर को फरार हो गया था। इसके बाद यह ड्रग मामला प्रकाश में आया और मुंबई की साकीनाका पुलिस ने ललित पाटिल के भाई भूषण पाटिल के नाम पर नासिक के शिंदे गांव में चल रही एमडी ड्रग बनाने वाली कंपनी पर छापा मारा था। कंपनी से पुलिस ने 150 किलोग्राम एमडी ड्रग बरामद किया, जिसकी कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में 300 करोड़ आंकी गई है। इसके बाद पुलिस ने उत्तर प्रदेश से भूषण पाटिल को गिरफ्तार किया था। इस मामले में मुंबई पुलिस ने फरार ड्रग तस्कर ललित पाटिल को चेन्नई के एक होटल से गिरफ्तार कर लिया था। सोमवार को इस मामले में गिरफ्तार ललित पाटिल और उसके ड्राइवर सचिन वाघ की कस्टडी खत्म हो रही थी, इसलिए इन दोनों के साथ अन्य आरोपितों को भी कोर्ट में पेश किया गया। पुलिस ने कोर्ट को बताया कि ललित पाटिल के कहने पर सचिन पाटिल ने भारी मात्रा में ड्रग कहीं छिपा दिया है, इसलिए इन आरोपितों की पुलिस कस्टडी जरूरी है। इसके बाद कोर्ट ने ललित पाटिल, सचिन वाघ की पुलिस कस्टडी 27 अक्टूबर तक बढ़ा दी थी। इन दोनों की आमने-सामने हुई पूछताछ में गिरना नदी की तलहटी में फेंके गए ड्रग का पता चला था। साथ ही पुलिस को नासिक के ग्रामीण इलाकों में भी ड्रग छिपाने का पता चला है। इसी वजह से पुलिस गिरना नदी के आसपास और ग्रामीण इलाकों में गहन छानबीन कर रही है।

मुंबई पुलिस के पूर्व सहायक आयुक्त प्रदीप टेमकर ने 7वीं मंजिल से कूदकर दी जान!

मुंबई : मुंबई पुलिस विभाग में कार्यरत पूर्व सहायक आयुक्त प्रदीप टेमकर ने इमारत की 7वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली है। माटुंगा पुलिस ने घटनास्थल से प्रदीप टेमकर का शव बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के अनुसार प्रदीप टेमकर 2014 में परिवहन विभाग से सेवानिवृत्त हुए थे। रिटायरमेंट के बाद प्रदीप टेमकर माटुंगा ईस्ट इलाके में गंगा हेरिटेज नाम की बिल्डिंग में अपनी पत्नी और दो बच्चों के साथ रहते थे। सोमवार देर रात टेमकर घर पर अकेले थे। उसी वक्त उन्होंने अपनी बिल्डिंग की 7वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली। हालांकि, कारणों का अभी तक पता नहीं चल सका है, लेकिन बताया जा रहा है कि टेमकर पिछले कुछ महीनों से मानसिक तनाव के दौर से गुजर रहे थे.

BJP के पूर्व लोकसभा सदस्य नीलेश नारायण राणे ने सक्रिय राजनीति से किया किनारा

मुंबई : भारतीय जनता पार्टी के पूर्व लोकसभा सदस्य नीलेश एन राणे ने मंगलवार को कहा कि वह सक्रिय राजनीति से दूर जा रहे हैं। राणे ने सोशल मीडिया ऐप एक्स पर ट्वीट किया, ''मैं सक्रिय राजनीति से अलग हो रहा हूं और इसके अलावा कोई कारण नहीं है कि मेरा अब शासन करने का मन न हो।'' अपने पोस्ट में आगे राणे ने कहा कि साल 2019-20 के दौरान उन्हें लोगों से बहुत प्यार मिला जिसके लिए वह बहुत आभारी हैं और वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि उन्हें बीजेपी जैसे संगठन में काम करने का मौका मिला जहां उन्हें प्यार की बहुत। राणे ने लिखा, ''मैंने राजनीति में बहुत कुछ सीखा और कुछ सहकर्मी हमेशा के लिए परिवार बन गए, मैं जीवन

में हमेशा उनका ऋणी रहूंगा।''पूर्व लोकसभा सदस्य ने कहा, ''मुझे चुनाव लड़ने में कोई दिलचस्पी नहीं बची है।'' उन्होंने आगे कहा कि आलोचक हमेशा आलोचना करेंगे लेकिन वह अपना और दूसरों का समय बर्बाद नहीं करना चाहेंगे जब आगे जारी रखना उनके दिल को शोभा नहीं देता।उन्होंने उन लोगों से भी माफी मांगी जिन्हें उनकी किसी गलती के कारण कोई असुविधा हुई हो या उन्हें ठेस पहुंची हो।

राज कुंद्रा द्वारा एनएचआरसी को संबोधित एक पत्र में आर्थर रोड जेल बैरक के भीतर अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया

मुंबई : बॉलीवुड अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति और व्यवसायी राज कुंद्रा द्वारा राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) को संबोधित एक पत्र में आर्थर रोड जेल बैरक के भीतर अमानवीय व्यवहार का आरोप लगाया गया है। पत्र में दावा किया गया है कि 49 व्यक्तियों की क्षमता के बावजूद, यह सुविधा स्पष्ट रूप से 250 से अधिक लोगों

को ठूंस देती है, जिससे ऐसी स्थिति पैदा हो जाती है कि लोग रात में सोते समय एक इंच भी हिलने-डुलने में असमर्थ हो जाते हैं। जेल अधिकारियों ने स्वीकार किया है कि जेल में वास्तव में भीड़भाड़ है, लेकिन इस बात पर जोर देते हैं कि प्रदान की जाने वाली सुविधाएं उच्च स्तर की हैं, जिसमें सराहनीय गुणवत्ता का भोजन भी शामिल है। कुंद्रा को मुंबई क्राइम ब्रांच ने जुलाई 2021 में एक पोर्नोग्राफी मामले में गिरफ्तार किया था और जमानत मिलने से पहले उन्होंने कुल 60 दिन जेल के अंदर बिताए थे।

वानखेड़े स्टेडियम में सुरक्षा चूक के कारण गलत आईडी का उपयोग करने के लिए 11 के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

मुंबई : मुंबई में हाल ही में एक मैच के दौरान वानखेड़े स्टेडियम में सुरक्षा चूक का मामला सामने आया है। मरीन ड्राइव पुलिस ने ग्यारह व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है जो किसी और के आईडी कार्ड का उपयोग करके स्टेडियम में प्रवेश कर गए थे। यह घटना 21 अक्टूबर को इंग्लैंड बनाम दक्षिण अफ्रीका मैच के दौरान घटी.

अनियमितता का पता तब चला जब 54 वर्षीय पुलिसकर्मी पीएसआई मेघश्याम गांवकर को एक खाद्य विक्रेता पर संदेह हुआ और उन्होंने विक्रेता के आईडी कार्ड की जांच की, जो किसी और के नाम पर जारी किया गया पाया गया। बाद में पुलिस ने पूछताछ की और आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। इन विक्रेताओं को अपने आईडी कार्ड प्राप्त करने से पहले पुलिस सत्यापन से गुजरना पड़ता है, और पुलिस ने इसमें शामिल व्यक्तियों को सीआरपीसी अधिनियम 41 ए के तहत नोटिस जारी किया है।

दैनिक रोकठोक लेखनी
खबरें बे-रोकटोक
मुंबई : बुधवार 25 अक्टूबर 2023

भिवंडी के अशोकनगर में गरबा के अंतिम दिन आयोजित प्रतियोगिता में गरबा प्रेमियों की जुटी भारी भीड़

दो दर्जन से अधिक विजेताओं को बांटा गया इनाम

मुस्तकीम खान

भिवंडी : भिवंडी शहर के अशोक नगर इलाके में नवरात्रि के पहले दिन से चल रहे डांडिया गरबा के आखिरी दिन विभिन्न तरह की प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। जिसमें गरबा प्रेमियों की भारी भीड़ जुटी, प्रतियोगिता में शामिल युवा, युवतियों, पुलिसकर्मी महिलाओं और पुरुषों व बच्चों सहित दो दर्जन से अधिक लोगों ने इनाम जीता। मंच पर उपस्थित मान्यवरों के हाथों सभी को पुरस्कार दिया गया। इनाम पाने वालों में सबसे ज्यादा खुशी युवा गरबा प्रेमियों और बच्चों में दिखाई

पड़ी। इस अवसर मंच पर गरबा का आयोजन करने वाले शिवसेना नेता पूर्व विधायक रूपेश म्हात्रे उनकी धर्मपत्नी सुचित्रा म्हात्रे शहर के प्रसिद्ध उद्योगपति व समाजसेवी पूर्व नगर सेवक साईंनाथ भाऊ पवार, शिवसेना नेता अरुण पाटिल, भाजपा नेता पी डी यादव, शांति नगर पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर इंदलकर पुलिस निरीक्षक निलेश बडाख ,प्रसिद्ध भवन निमार्ता व मंच का संचालन कर रहे पिंटू कुमावत उनकी धर्मपत्न ी सुशीला कुमावत उपस्थित थे। गरबा डांडिया के आखिरी दिन अशोकनगर जैन मंदिर के पास स्थित मैदान पूरी तरह खचाखच भरा हुआ था, गरबा खेलने वालों को इंतजार करके मैदान में जाना पड़ रहा था। प्रसिद्ध आर्केस्ट्रा के सुमधुर धुन और गायको के सुंदर गीतों की प्रस्तुति पर गरबा खेलने वाले झूम रहे थे। अंत में ''जय जय महाराष्ट्र माझा'' गीत पर झूमते हुए लोगों ने गरबा का आनंद लिया। बिजली की दूधिया चक चंद रोशनी में डांडिया खेलने वाले पसीने से तरबतर होने के बावजूद उनका उत्साह देखने लायक था।

टैंकर ने एसयूवी वाहन को मारी जोरदार टक्कर, शिवसेना पदाधिकारी की मौत... चालक गिरफ्तार

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र के सांगली जिले में मंगलवार को एक टैंकर ने एसयूवी वाहन को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में एक शिवसेना पदाधिकारी की मौके पर मौत हो गई। वहीं तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि शिवसेना के पदाधिकारी दशहरा रैली में शामिल होने के लिए मुंबई जा रहे थे। यह घटना कवथे महांकाल तहसील के शिरधोन गांव में सुबह हुई। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, एक दूध के टैंकर ने एसयूवी वाहन में पीछे से टक्कर मार दी। जिससे वह एक पुल के पास पलट गई। वहीं पुलिस अधिकारी ने बताया कि मृतक की पहचान शिवसेना पाधिकारी विवेक तेली के रूप में हुई। वहीं हादसे में तीन अन्य घायल हैं। जिनमें

से एक की हालत ज्यादा गंभीर है। इस दौरान टैंकर चालक भी घायल हो गया। जिसे पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बता दें दक्षिण मुंबई में आयोजित दशहरा रैली में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे शाम को जनता को संबोधित करेंगे। पार्टी के एक पदाधिकारी ने बताया कि इस बीच शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने घायल कार्यकर्ता के इलाज का खर्च उठाने की घोषणा की है।

चक्रवातों के डबल अटैक का खतरा!

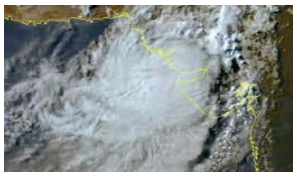

मुंबई : चक्रवातों के डबल अटैक का खतरा मंडरा रहा है। चक्रवात 'तेज'का खतरा अभी टला भी नहीं है कि अब 'हमून'तूफान भी सामने आ गया है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि बंगाल की खाड़ी के उत्तरी क्षेत्र में कम दबाव का क्षेत्र तैयार होने के कारण 'हमून'धीरे-धीरे बढ़ रहा है, जिसके बाद पूर्वोत्तर के राज्यों में भारी बारिश की उम्मीद जताई जा रही है। साथ ही यह भी बताया जा रहा है कि तेज की दिशा बदल गई है और अब इसके यमन या ओमान के तटीय इलाकों से टकराने की आशंका जताई जा रही है। पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी पर दबाव उत्तर की ओर से बढ़ गया है। मौसम विभाग ने अनुमान लगाया है कि अगले २४ घंटों के भीतर 'हमून'और तेज होकर खतरनाक चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। 'हमून'के २५ अक्टूबर की शाम के आसपास बांग्लादेश तट को पार करने का अनुमान है। इस चक्रवात से पश्चिम बंगाल और बांग्लादेश के तटों पर असर पड़ने की आशंका जताई गई है। साथ ही मौसम विभाग ने २६ अक्टूबर तक पूर्वोत्तर के कई राज्यों असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा के कुछ हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है।

'युवाओं की मांगों को नजरअंदाज न करें' युवा संघर्ष यात्रा में शरद पवार ने राज्य सरकार को घेरा

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र में युवाओं के सामने आने वाले मुद्दों को उजागर करने के लिए पुणे से नागपुर तक पैदल मार्च 'युवा संघर्ष यात्रा'को मंगलवार को हरी झंडी दिखाई गई। इस दौरान एनसीपी प्रमुख शरद पवार भी मौजूद रहे। इस यात्रा का नेतृत्व एनसीपी विधायक और शरद पवार के पोते रोहित पवार ने किया। यात्रा के दौरान एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने महाराष्ट्र सरकार को चेतावनी दे डाली।

शरद पवार ने युवाओं के जरिए महाराष्ट्र सरकार को घेरा

सरकार पर कटाक्ष करते हुए उन्होंने कहा, अगर सरकार में शामिल लोग सत्ता अपने हाथ में रखना चाहते हैं तो वे महाराष्ट्र में 'युवा संघर्ष यात्रा'निकाल रहे युवाओं को नजरअंदाज नहीं कर सकते। यह मार्च राज्य के युवाओं को प्रोत्साहित करेगा और मुझे यकीन है कि इस युवा संघर्ष यात्रा से परिवर्तन और आपकी मांगों को पूरा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। साथ ही उन्होंने कहा, युवाओं की मांगों के चार्टर में यह भी शामिल है कि शैक्षणिक संस्थान ज्यादा फीस न लें और बच्चों के माता-पिता से ली गई अतिरिक्त फीस वापस करें।

यात्रा के दौरान युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, मांगों में स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों और प्रोफेसरों के रिक्त पदों पर भर्ती प्रक्रिया एमपीएससी के माध्यम से की जानी चाहिए। छत्रपति संभाजीनगर, सोलापुर, कोल्हापुर और अमरावती जैसे शहरों में सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्रों का विकास शामिल है।

शरद पवार बोले, इन मुद्दों के लिए सीएम से लेंगे समय

युवाओं को संबोधित करते हुए एनसीपी प्रमुख शरद पवार ने कहा, आप इन सभी मांगों को एक साथ जोड़कर मुख्यमंत्री को सौंपे। यदि आप चाहें तो मैं युवाओं द्वारा की गई इन सभी मांगों के लिए एक बैठक बुलाने के लिए मुख्यमंत्री से बात करूंगा। मैं व्यक्तिगत रूप से आप लोगों के साथ बैठक में उपस्थित रहूंगा। उन्होंने कहा कि सीएम से इन मांगों पर फैसले की समयसीमा के बारे में पूछा जाएगा और अगर मांगें

राज्य में आरक्षण के मुद्दे पर मराठा और ओबीसी समुदाय को लड़ाने का काम - पटोले

मुंबई : राज्य में आरक्षण के मुद्दे पर मराठा और ओबीसी समुदाय को लड़ाने का काम कर रही है। आज मराठा और ओबीसी एक-दूसरे के आमने-सामने हैं। आरक्षण मुद्दे पर ट्रिपल इंजन सरकार का रुख स्पष्ट नहीं होने से यह पेचीदगी बढ़ती जा रही है। दोनों समाज में संदेह बढ़ रहा है। यहां तक कि आरक्षण के मुद्दे पर राज्य सरकार में ही एक राय नहीं बन पा रही है। यह आरोप महाराष्ट्र प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नाना पटोले ने राज्य सरकार पर लगाया है। पटोले ने कहा कि वह इस मुद्दे पर ठोस भूमिका पेश कर मराठा और ओबीसी समुदाय को गुमराह करना बंद करे।

इस संबंध में मीडिया से बात करते हुए नाना पटोले ने कहा कि मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री कह रहे हैं कि सरकार मराठा समुदाय

को आरक्षण देने के लिए प्रतिबद्ध है तो क्या उन्हें मराठा समुदाय को आरक्षण देने से किसी ने रोका है? हम तो चाहते ही हैं कि मराठा समाज को आरक्षण मिले। केंद्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बने १० साल हो गए, आज तक मराठा आरक्षण पर पैष्ठसला क्यों नहीं लिया? उन्होंने यह गंभीर सवाल उठाते हुए कहा कि पिछले महीने संसद का पांच दिवसीय विशेष सत्र बुलाया गया था, अगर केंद्र सरकार उस विशेष सत्र में ५० प्रतिशत की सीमा हटाने का पैष्ठसला करती तो मामला सुलझ जाता।

केंद्र की मोदी सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि जनता के हित में यह सरकार का काम नहीं कर रही है। अब मोदी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है। जनता अब मोदी सरकार को सबक सिखाने के पक्ष में है। उन्होंने कहा कि संसद का आखिरी सत्र दिसंबर में होगा और फिर फरवरी में आचार संहिता लग सकती है।

उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार का यह रुख सही है कि एक से आरक्षण हटाकर दूसरे को देना गलत है, लेकिन राज्य सरकार इस मामले में कोई जवाब क्यों नहीं देती, उसे अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

हाई कोर्ट ने केंद्र को फटकार लगाई, गार्ड की पत्नी को ५० लाख रुपए मुआवजा देने का आदेश

मुंबई : महामारी के दौरान मरने वाले कर्मचारी के परिवार के बारे में केंद्र सरकार इतनी संकीर्णता से वैष्ठसे सोच सकती है? ऐसा कहते हुए दिल्ली हाई कोर्ट ने केंद्र को फटकार लगाई है। इसके साथ ही कोर्ट ने कोरोना के दौरान मरने वाले अस्पताल के सुरक्षा गार्ड की पत्नी को ५० लाख रुपए मुआवजा देने का भी आदेश दिया है।बता दें कि दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में सुरक्षा गार्ड के रूप में तैनात

दिलीप कुमार की कोविड के दौरान मौत हो गई। उनकी पत्नी ने केंद्र सरकार द्वारा घोषित प्रधानमंत्री गरीब कल्याण योजना के बीमा कवर का लाभ पाने के लिए आवेदन किया था। लेकिन उन्हें नहीं दिया गया, तब उन्होंने दिल्ली हाई कोर्ट में याचिका दायर की१। हाई कोर्ट के जस्टिस सुब्रह्मण्यम प्रसाद की बेंच के सामने सुनवाई के दौरान सरकार ने कहा कि मृतक दिलीप कुमार किसी कोविड सेंटर या वॉर्ड में काम नहीं कर रहे थे, न ही वे कोविड मरीजों के सीधे संपर्क में थे इसलिए उन्हें इस बीमा कवर का लाभ नहीं मिलेगा।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com